

1 जुलाई से लागू होंगे 3 नए क्रिमिनल लॉ निगम परिसर में दिया गया प्रशिक्षण

■ नवीन आपाराधिक कानूनों के माध्यम से अपराधियों पर काबू पाने की पहल
■ एन्सीआई संकलन ऑफ क्रिमिनल लॉ एप के अधिकारी कार्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

पायनियर संबंधिता ▲ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम दुर्ग परिसर मोतीलाल बोरा सभागार में नवीन आपाराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियावर्तन हुए इनके लागू किए जाने के पूर्व पुलिस विभाग के द्वारा जनप्रतिनिधि वर्ग के अधिकारी/कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। भारत सरकार द्वारा वित्त दिवस तीन नवीन आपाराधिक कानूनों का प्रकाशन राजपत्र में किया गया है। भारतीय दंड सहिता (आईसीआई) को भारतीय न्याय सहिता से बदल दिया गया है। तीन नए कानून भारतीय न्याय सहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिता, और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत देश के

भिलाई-चौदा निगम महापौर ने बैठक में विभाग प्रमुख अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा निर्देश

पायनियर संबंधिता ▲ भिलाई-3
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई-चौदा महापौर निर्वाचित कोसरे के द्वारा गुरुवार को निगम द्वारा किया जा रहे कार्यों की समीक्षा की गयी। महापौर कक्ष में आयोजित बैठक में विधि, सामाज्य प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी अधिकारी एवं संबंधित एमआईसी सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वच्छता संिक्षक की निर्देशन करते हुए महापौर निर्वाचित कोसरे ने कहा कि बस्ती के मौसम को दृष्टित रखते हुए संपूर्ण निगम क्षेत्र में सफाई कार्य जारी रखे। साथ ही बड़े नालों की सफाई कर दवा का छिक्काकाव करना सुनिश्चित करें। सामाज्य प्रशासन विभाग के कामकाज में लेखा शाखा एवं

सिकल संगवारी पहल: एबिस पहल, संगवारी और जिला प्रशासन का एक सामूहिक प्रयास

पायनियर संबंधिता ▲ दुर्ग
www.dailypioneer.com

संपादकीय भारतीय अर्थव्यवस्था प्रगति के पथ पर

भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार प्रगति के पथ पर बढ़ रही है। अपने दूसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को 'पांच दिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था' बनाने का आड़ान किया था। हालांकि, अभी यह सपना पूरा होने में समय लगता, पर उन्होंने भारत के दबायितों तथा अन्य हितधारकों को दिखा और उन्होंने दें दी है। भारत लक्ष्य प्राप्त करने का एक मार्ग होता है कि जिस पर चलना चाही होता है। वास्तव में समय लगता, वैशिक निवेदिकों और अशासितों को समान रूप से आकर्षित कर रखा है। भारत वैशिक अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख पक्ष है। लेकिन यह लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अनेक बाधाएँ दूर करनी होती हैं। हाल ही में भारतीय रिजिक बैंक-आरबीआई के गवर्नर शाकिकांत दास के विचास व्यक्त किया था कि भारत वर्तमान विचास में 7.2 प्रतिशत जीडीपी बढ़ि दर प्राप्त करेगा। नौविं दृष्टिकोण तथा विभिन्न आयामों पर नजर ढालने से यह दाता महत्वपूर्ण और असावादी दृष्टिकोण का परिचयाकार है। निसंदेह भारत की अर्थव्यवस्था ने विभिन्न चुनौतियों को देखते हुए मजबूत प्रवर्शन की है जिनमें कोविड-19 वैशिक महामारी तथा वैशिक भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं। अनेक आर्थिक संकेतक एक प्रमिति, लेकिन आशावादी तस्वीरें पेश करते हैं। हालांकि वैशिक भू-राजनीतिक तनाव के रूप में भारत की प्रसंग सुई है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने हालिया शानदार बढ़ि दर प्रवर्शन करते हुए महामारी से पैदा स्थिति से निपटने में सफलता पाई है। 2023-24 को पहली तिमाही में उपर्युक्त जीडीपी बढ़ि दर 7.8 प्रतिशत थी जो मजबूत आर्थिक गतिशीलता प्रदर्शित करती है।

लेकिन मूल्यबढ़ि व मुद्रास्फैक्ट विचास का विषय बनी हुई है। उपर्युक्त मूल्य सूचकांक-सौपीआई मई, 2024 में 4.6 प्रतिशत पर था जो आरबीआई द्वारा प्रतिशत 4 प्रतिशत में 2 प्रतिशत अधिक या कम की सहनशील सीमा में था। इसे प्रगति का सकारात्मक संकेत कहा जा सकता है। अर्थव्यवस्था का एक और चिन्हाजनक छेत्र बैरोजारी है।

जून, 2024 में शहरी बैरोजारी 7.8 प्रतिशत तथा ग्रामीण बैरोजारी 7.4 प्रतिशत थी जो चिन्हाजनक है। सुधारों के बावजूद महत्वपूर्ण विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में रोजगार सुनियोजित अधिक हो रहा है। टिकाळ बढ़ि के लिए रोजगार जरूरी है और यह आर्थिक बढ़ि के लिए 'लाल संकेत' है। इसकी विभिन्नता के निपटने के प्रयास किए जाने चाहिए वैशिक इससे सभी सकारात्मक संकेतक प्रभवित हो सकते हैं। सकारात्मक रूप से भारत भारी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेदिक-एफडीआई आर्थिक करते होते हैं जो 2024 के पहली छमाही में कुल 55.3 बिलियन डॉलर था। इसके साथ ही डिजिटल अर्थव्यवस्था को प्रगति ने बिजनेस सुगमता पर अच्छा असर डाला है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था देश से बढ़ रही है और 2025 में इसके 1 डिलियन डॉलर पहुंचने की आशा है। इससे भारत की युवा जनसंख्या का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है जो जनसंख्या लाभांश्‌ है। भारत की 50 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या 25 वर्ष से कम है। इससे भारत बड़े बौद्धिक वैशिक अर्थव्यवस्था को अनिश्चितताओं तथा जलवायु परिवर्तन के कारण पैदा समस्याओं का मुकाबला करना होगा। इससे ही टिकाळ व समावेशी वृद्धि सुनिश्चित होगी।

अनुमति: वर्ष

मोदी सरकार : अवसर व चुनौतियां

सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में व्यवधान न आए और उसकी ब्लैक मार्केटिंग कर्त्ता न हो तभी हम महंगाई दर को एक सीमा के अंदर रखने में कामयाब होंगे।

विवेक सिंह
(लेखक, अध्यात्मिक रिष्टर्न)

18 वर्षीय लोकसभा का प्रथम सत्र 24 जून से शुरू हो गया है। सत्र की शुरूआत के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार बड़ी तीसरी संसद को चुनौतियों की भी शुरूआत हुई है। चुनौतियों की ठोक से साधा यात्रा तथा अवधारणा के रूप में भारत की प्रसंग सुई हुई है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने हालिया शानदार बढ़ि दर प्रवर्शन करते हुए महामारी से पैदा स्थिति से निपटने में सफलता पाई है। 2023-24 को पहली तिमाही में उपर्युक्त जीडीपी बढ़ि दर 7.8 प्रतिशत थी जो मजबूत आर्थिक गतिशीलता प्रदर्शित करती है।

लेकिन मूल्यबढ़ि व मुद्रास्फैक्ट विचास का विषय बनी हुई है। उपर्युक्त मूल्य सूचकांक-सौपीआई मई, 2024 में 4.6 प्रतिशत पर था जो आरबीआई द्वारा प्रतिशत 4 प्रतिशत में 2 प्रतिशत अधिक या कम की सहनशील सीमा में था। इसे प्रगति का सकारात्मक संकेत कहा जा सकता है। अर्थव्यवस्था का एक और चिन्हाजनक छेत्र बैरोजारी है।

प्रश्न बैरोजारी का है। समावेशी एवं समग्र विकास के लिए सरकार को गोरीबों के प्रति अलंकृत संवेदनशील रहना होगा, साथ ही साथ आर्थिक विकास की गति को भी तेज करने का उत्तरायिक विलय है। इसकी विभिन्नता के रूप में प्रयोग के लिए रोजगारी विकास की गति को अनिवार्यता आपूर्ति विद्युत विद्युत होगी। अनेक विकासकारों ने इस पर संकल्प तभी पूरा करना अवश्यक हो गया है।

प्रश्न बैरोजारी का है। समावेशी एवं समग्र विकास के लिए सरकार को गोरीबों के प्रति अलंकृत संवेदनशील रहना होगा, साथ ही साथ आर्थिक विकास की गति को भी तेज करने का उत्तरायिक विलय है। इसकी विभिन्नता के रूप में प्रयोग के लिए रोजगारी विकास की गति को अनिवार्यता आपूर्ति विद्युत विद्युत होगी। अनेक विकासकारों ने इस पर संकल्प तभी पूरा करना अवश्यक हो गया है।

प्रश्न बैरोजारी का है। समावेशी एवं समग्र विकास के लिए सरकार को गोरीबों के प्रति अलंकृत संवेदनशील रहना होगा, साथ ही साथ आर्थिक विकास की गति को भी तेज करने का उत्तरायिक विलय है। इसकी विभिन्नता के रूप में प्रयोग के लिए रोजगारी विकास की गति को अनिवार्यता आपूर्ति विद्युत विद्युत होगी। अनेक विकासकारों ने इस पर संकल्प तभी पूरा करना अवश्यक हो गया है।

प्रश्न बैरोजारी का है। समावेशी एवं समग्र विकास के लिए सरकार को गोरीबों के प्रति अलंकृत संवेदनशील रहना होगा, साथ ही साथ आर्थिक विकास की गति को भी तेज करने का उत्तरायिक विलय है। इसकी विभिन्नता के रूप में प्रयोग के लिए रोजगारी विकास की गति को अनिवार्यता आपूर्ति विद्युत विद्युत होगी। अनेक विकासकारों ने इस पर संकल्प तभी पूरा करना अवश्यक हो गया है।

प्रश्न बैरोजारी का है। समावेशी एवं समग्र विकास के लिए सरकार को गोरीबों के प्रति अलंकृत संवेदनशील रहना होगा, साथ ही साथ आर्थिक विकास की गति को भी तेज करने का उत्तरायिक विलय है। इसकी विभिन्नता के रूप में प्रयोग के लिए रोजगारी विकास की गति को अनिवार्यता आपूर्ति विद्युत विद्युत होगी। अनेक विकासकारों ने इस पर संकल्प तभी पूरा करना अवश्यक हो गया है।

प्रश्न बैरोजारी का है। समावेशी एवं समग्र विकास के लिए सरकार को गोरीबों के प्रति अलंकृत संवेदनशील रहना होगा, साथ ही साथ आर्थिक विकास की गति को भी तेज करने का उत्तरायिक विलय है। इसकी विभिन्नता के रूप में प्रयोग के लिए रोजगारी विकास की गति को अनिवार्यता आपूर्ति विद्युत विद्युत होगी। अनेक विकासकारों ने इस पर संकल्प तभी पूरा करना अवश्यक हो गया है।

प्रश्न बैरोजारी का है। समावेशी एवं समग्र विकास के लिए सरकार को गोरीबों के प्रति अलंकृत संवेदनशील रहना होगा, साथ ही साथ आर्थिक विकास की गति को भी तेज करने का उत्तरायिक विलय है। इसकी विभिन्नता के रूप में प्रयोग के लिए रोजगारी विकास की गति को अनिवार्यता आपूर्ति विद्युत विद्युत होगी। अनेक विकासकारों ने इस पर संकल्प तभी पूरा करना अवश्यक हो गया है।

प्रश्न बैरोजारी का है। समावेशी एवं समग्र विकास के लिए सरकार को गोरीबों के प्रति अलंकृत संवेदनशील रहना होगा, साथ ही साथ आर्थिक विकास की गति को भी तेज करने का उत्तरायिक विलय है। इसकी विभिन्नता के रूप में प्रयोग के लिए रोजगारी विकास की गति को अनिवार्यता आपूर्ति विद्युत विद्युत होगी। अनेक विकासकारों ने इस पर संकल्प तभी पूरा करना अवश्यक हो गया है।

प्रश्न बैरोजारी का है। समावेशी एवं समग्र विकास के लिए सरकार को गोरीबों के प्रति अलंकृत संवेदनशील रहना होगा, साथ ही साथ आर्थिक विकास की गति को भी तेज करने का उत्तरायिक विलय है। इसकी विभिन्नता के रूप में प्रयोग के लिए रोजगारी विकास की गति को अनिवार्यता आपूर्ति विद्युत विद्युत होगी। अनेक विकासकारों ने इस पर संकल्प तभी पूरा करना अवश्यक हो गया है।

प्रश्न बैरोजारी का है। समावेशी एवं समग्र विकास के लिए सरकार को गोरीबों के प्रति अलंकृत संवेदनशील रहना होगा, साथ ही साथ आर्थिक विकास की गति को भी तेज करने का उत्तरायिक विलय है। इसकी विभिन्नता के रूप में प्रयोग के लिए रोजगारी विकास की गति को अनिवार्यता आपूर्ति विद्युत विद्युत होगी। अनेक विकासकारों ने इस पर संकल्प तभी पूरा करना अवश्यक हो गया है।

प्रश्न बैरोजारी का है। समावेशी एवं समग्र विकास के लिए सरकार को गोरीबों के प्रति अलंकृत संवेदनशील रहना होगा, साथ ही साथ आर्थिक विकास की गति को भी तेज करने का उत्तरायिक विलय है। इसकी विभिन्नता के रूप में प्रयोग के लिए रोजगारी विकास की गति को अनिवार्यता आपूर्ति विद्युत विद्युत होगी। अन

